सरगम 8

पाठ 1. कोई नहीं पराया

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में समस्या के समाधान की क्षमता संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे जीवन में आने वाली समस्याओं के समाधान से सकारात्मक रूप से निपटने की क्षमता विकसित कर सकें। कवि गोपालदास 'नीरज' इस कविता में 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना को जागृत करते हैं।

पाठ का सार

कवि कहते हैं कि मैं किसी जाति-पाँति या ऊँच-नीच की भीड़ में नहीं खड़ा हूँ। मेरे लिए मंदिर-मस्जिद आदि सब बराबर हैं। मैं किसी व्यक्ति विशेष से प्रेम नहीं करता अपितु समस्त मानव जाति मुझे प्रिय है। मुझे किसी स्वर्ग की कहानियाँ भी धरती माता के सामने तुच्छ लगती हैं। कवि लोगों से आग्रह करते हैं कि जितना हो सके वे इस संसार में प्रेम बाँटें, अपने सुख में दूसरों को भी शामिल करने से दुगुनी खुशी होती है। कवि आगे कहते हैं कि मैं अपने लिए ही नहीं बल्कि सबके हित की कामना करता हूँ। मैं अपने गीतों में सारे जग का दर्द भर लेना चाहता हूँ। मेरा दुख-दर्द मेरा नहीं अपितु इसमें सब लोगों की पुकार शामिल है। मेरे लिए तो सारा संसार ही मेरा घर है। सभी लोगों से निष्काम भाव से प्रेम करना ही जीवन का सार है।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  कविता का सस्वर पाठ करें व करवाएँ। लय और कविता के भीतर समाए व्यापक मानवतावादी चिंतन के संप्रेषण पर विशेष ध्यान दें। परोपकार की महत्ता उदाहरण देकर समझाएँ। सच्चा मानव बनने के लिए जिन गुणों की आवश्यकता होती है, उनसे बच्चों को अवगत कराएँ। आपसी भाईचारा बढ़ाने की प्रेरणा भी दें।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों** व **पहेलियों** के उत्तर देने का अवसर अधिक से अधिक बच्चों को मिले, यह अवश्य सुनिश्चित करें। अशुद्ध उत्तरों की दशा में अन्य बच्चों से शुद्ध उत्तर देने की अपेक्षा करें।
  - **पठित परिच्छेद** के अंतर्गत पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सटीक हों, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए।
  - **पाठ आधारित प्रश्नों** के उत्तर मूल पाठ में से बच्चों को ढूँढ़ने को कहें और यह सुनिश्चित करें कि वे उन प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - शब्द के तत्सम और तद्भव रूपों से बच्चों का परिचय कराएँ। कुछ उदाहरण देकर उनके बीच भेद स्पष्ट करें।
  - अनेकार्थी शब्दों के लिए जीवन में नित्य प्रयोग में आने वाले शाब्दिक प्रयोगों का सहारा लिया जा सकता है। जैसे– उसने मेरे मन में **घर** कर लिया। मैं अपने **घर** जा रहा हूँ।

क्रियाकलाप के लिए संकेत

- कविता की पंक्तियों को कक्षा में ही अपने मार्गदर्शन में पूरा करवाएँ और बच्चों से श्यामपट्ट पर लिखवाएँ भी।
- सूचना-पत्र तैयार करने में किन-किन बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए, यह अवश्य बताएँ। यह निर्देश अवश्य दें कि सूचनाएँ कम-से-कम शब्दों में हों और सूचना का उद्देश्य व संदेश स्पष्ट हो।
- बच्चों को सामूहिक गतिविधि के रूप में अलग-अलग व्यक्तियों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रेरित करें। सूचना के स्रोत पुस्तकालय में रखी पुस्तकें, इंटरनेट, आदि हो सकते हैं।